1.0 सामान्य सूचना

1.1.0 नांदेड मंडल का संक्षिप्त इतिहास.

रेलवे बोर्ड ने मार्च 1985 में दक्षिण मध्य रेलवे पर एक नए मंडल गठित करने के निर्णय की सूचना दी जिसका मुख्यालय नांदेड में होगा. यह मंडल, प्रमुख रूप से महाराष्ट्र राज्य के मराठवाडा के भौगोलिक क्षेत्र, आंध्र प्रदेश राज्य के अदिलाबाद जिले का कुछ भाग और अमरावती तथा मध्य प्रदेश राज्य के पूर्वी निमच जिलों कवर करता है. नांदेड में उप मंडल कार्यालय का शिलान्यास, दिनांक 20.07.1989 को माननीय रेल राज्य मंत्री द्वारा किया गया. पूर्णा के कंट्रोल कार्यालय को बंद करते हुए दिनांक 04.12.1993 को कंट्रोल कार्यालय बोर्ड को नए प्रशासनिक भवन में शुरू किया गया और यह दिनांक 31.03.2013 तक हैदराबाद मंडल के अधीन उप मंडल के रुप में कार्य करता रहा.

दिनांक 01.04.2003 से नांदेड मंडल ने पूर्ण रुप से स्वतंत्र मंडल के रुप में कार्य करना आरंभ किया और दिनांक 12.04.2003 को माननीय रेल राज्य मंत्री द्वारा यह मंडल राष्ट्र को समर्पित किया गया.

1.1.1 महत्वपूर्ण सूचना / Key Information:

क्र.सं. Sl.No.	विषय/Topic		विवरण / Details	
1	मार्ग कि.मी. /Route kms	बडी लाइन. BG	मार्ग Route	
		मनमाड - मुदखेड	बी	357.40 कि.मी.
		परली-परभनी	ड़ी	63.61 क.मी.
		मुदखेड - पिंपलकुट्टी	ई	181.975 कि.मी.
		पूर्णा - अकोला	डी	209.22 कि.मी.
		बडी लाइन कुल		**812.205 कि.मी**
		मीटर लाइन		
		खंडवा - अकोला	आर 3	173.93 कि.मी.
		कुल योग		**988.135 कि.मी.**
2	स्टोशनों की संख्या (कुल 105) No. of stations (Total 105)	प्रकार	**No. of stations**	
		ए	05 (नांदेड, परभनी, जालना, औरंगाबाद और नगरसोल)	
		बी	03 (मुदखेड, पूर्णा और अदिलाबाद)	

क्र.सं. Sl.No.	विषय/Topic	**विवरण /Details**	
		डी	12 (अकोट, गंगाखेड, हिंगोली मानवत रोड, परतूर, सेलू, रोटेगांव, किनवट, भोकर, हिमायतनगर, वाशिम और मुकुंदवाडी हाल्ट)
		ई	60
		हाल्ट	**23**
3	गाडियों की जोडी (कुल 65 जोडी)	मेल/एक्सप्रेस	**12 (दैनिक)** **28 (गैर दैनिक)**
		सवारी गाडियां	**24**
4	पीओइटी उपलब्ध स्टेशन	औरंगाबाद, नांदेड, जालना और परभनी	
5	क्रेडिट कार्ड पर आरक्षण की सुविधा उपलब्ध स्टेशन	नांदेड और औरंगाबाद	
6	पर्यटन महत्व के स्टेशन	औरंगाबाद, दौलताबाद,सहस्त्रकुंड	
7	तीर्थक्षेत्र वाले स्टेशन	नांदेड,नगरसोल,रोटेगांव,चौंडी,मिरखेल,औरंगाबाद और किनवट	
8	दुर्घटना राहत गाडी	पूर्णा और अकोला	
9	टूल वैन	खंडवा	
10	एआरएमई	पूर्णा और अकोला	
11	कानकोर साइडिंग	दौलताबाद	
12	फ्यूलिंग पाइंटस	पूर्णा,अकोला और अदिलाबाद	
13	रनिंग रुम	मनमाड, जालना, पूर्णा, अकोला,खंडवा और अदिलाबाद	
14	हालिडे होम	औरंगाबाद	
15	अधिकारी विश्राम गृह	नांदेड, औरंगाबाद, परभनी, जालना, हिंगोली, नगरसोल, पूर्णा,वाशिम और अदिलाबाद	
16	टीटीई रेस्ट रुम	मनमाड, खंडवा, पूर्णा,नांदेड और औरंगाबाद	
17	अस्पताल /स्वास्थ्य यूनिट	नांदेड, पूर्णा, अकोला,किनवट और जालना	
18	रेलवे स्कूल	केंद्रीय विद्यालय नांदेड,पूर्णा (अंग्रेजी माध्यम)	
19	महिला प्रतीक्षालय	नांदेड, पूर्णा, परभनी, जालना,औरंगाबाद और अकोट	
20	सामान्य प्रतीक्षालय	सभी स्टेशन	
21	उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय	नगरसोल, रोटेगांव, लासूर, औरंगाबाद, जालना, सेलू, परभणी, पूर्णा,नांदेड मुदखेड, अदिलाबाद, वाशिम, हिंगोली,अकोट और किनवट	
22	विश्रामालय	नांदेड, औरंगाबाद,जालना और अदिलाबाद.	

1.1.2 महत्वपूर्ण पर्यटन व तीर्थक्षेत्र

औरंगाबाद/ Aurangabad	विश्व धरोहर स्थल अजंता व एल्लोरा का प्रवेश द्वार. यह शहर मुगल सम्राट औरंगजेब से जुडा है. सन 1707 में मृत्यु के बाद.
दौलताबाद Daulatabad	प्राचीन काल में यह देवगिरी के नाम से जाना जाता था जो यादव वंश की राजधानी थी. अलाउद्दीन खिलजी ने इसे हस्तगत किया. मोहम्मद बिन तुगलक ने इसे अपनी राजधानी बनाया और फिर दिल्ली को राजधानी बनाया. मध्य कालीन भारत के कई ऐतिहासिक युध्द यहीं पर हुए.
सहस्त्रकुंड Sahasrakund	वर्षा काल में झरने का दृश्य रमणीय होता है.
नांदेड Nanded	सचखंड साहिब गुरुद्वारा नांदेड में स्थित है और श्री गुरु गोविंद सिंह जी, सिख संप्रदाय के 10 वें और अंतिम गुरु के पवित्र अवशेष यहीं पर स्थापित है.
नगरसोल, रोटेगांव Nagarsol, Rotegaon	शिर्डी के लिए निकटवर्ती रेलवे स्टेशन यह स्थान श्री साईबाबा द्वारा पुनीत हो गया है जिनके समक्ष भारत और विदेशों के लाखों श्रध्दालु नतमस्तक होते है.
चोंडी Chondi	औढा नागनाथ (ज्योतिर्लिंगों में से एक) के लिए निकटवर्ती रेलवे स्टेशन.
मिरखेल Mirkhel	प्रसिध्द नेमीनाथ जैन मंदिर के लिए निकटवर्ती रेलवे स्टेशन.
किनवट Kinwat	माहुर (रेणुका माता मंदिर -18 शक्तिपीठों मे से एक) के लिए निकटवर्ती रेलवे स्टेशन.
खंडवा Khandwa	ओंकारेश्वर मंदिर (ज्योतिर्लिंगों में से एक) के लिए निकटवर्ती रेलवे स्टेशन.

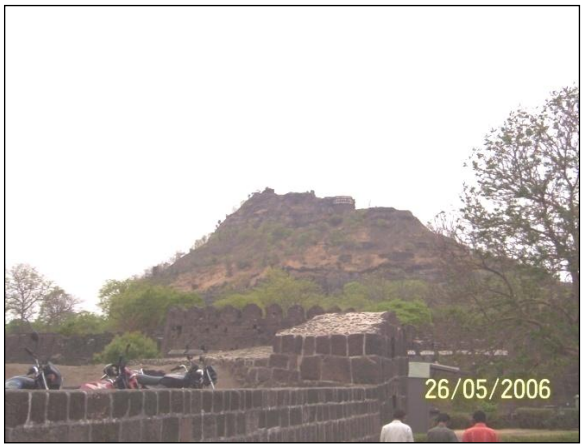

दौलताबाद किला

सहस्त्रकुंड जलप्रपात

कैलाश मंदिर एलोरा

सचखंड गुरूद्वारा

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग